आभार स्वीकृती

मेरी पढाई जारी रखने के लिए मुझे हमेशा गुरूजन वर्ग से प्रेरणा मिलती रही है। उनकी शुभकामनाओं के बल पर आज मैं इस मुकाम तक पहुँची हूँ। गुरूजनों के साथ-साथ इस शोधयात्रा में मुझे कई लोगों का सहयोग मिला, उनसे प्रेरणा मिली, उन्होंने मुझे केवल मार्गदर्शन ही नहीं किया बल्कि मेरी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए मेरा विश्वास भी बढाया। उन सबके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना मैं अपना कर्तव्य मानती हूँ।

सबसे पहले मैं शिवाजी विश्वविद्यालय के अधिकारियों की शुक्रगुजार हूँ जिन्होंने मुझे संशोधन छात्रवृत्ति देकर प्रस्तुत शोध-कार्य के लिए एक सुनहरा मौका प्रदान किया।

प्रस्तुत शोध-कार्य के लिए मुझे डॉ. सीमा एम. येवलेजी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। आपने मेरा विश्वास बढाकर इस मुकाम तक पहुँचाने में अहम् भूमिका निभाई है। आपने अध्यापन कार्य में तथा शोध-कार्य में अत्यंत व्यस्त रहते हुए भी मेरी आशंकाओं का समाधान किए बगैर मुझे कभी वापस नहीं लौटाया। मात्र शैक्षिक ही नही अपितु निजी जीवन की समस्याओं को सुलझाने में मेरी सदैव सहायता की है।

मेरे माता-पिता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। आपने बचपन से मेरी शिक्षा के प्रति रूचि बढाई है। आपका स्नेहभरा आशिष सदैव मेरे साथ रहेगा।

शिवाजी विश्वविद्यालय के ग्रंथपाल तथा अन्य कर्मचारियों ने मुझे समय-समय पर किताबें देकर सहयोग दिया है। कार्यालयीन सहयोग के लिए शिक्षाशास्त्र विभाग के कार्यालय प्रमुख तथा अन्य कर्मचारियों की आभारी हूँ।

अनुसंधान के लिए प्रदत्तों के संकलन में कोल्हापूर शहर के चार डी. एड. कॉलेज के प्रधानाध्यापक तथा हिंदी भाषाध्यापकों ने इस कार्य में मेरी मदद् की है उन

सभी की मैं आभारी हूँ। इस शोध-प्रबंध को सुचारू रूप में टकंन करनेवाले टंकलेखन कर्ता की भी मैं आभारी हूँ।

अंत में मैं उन सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ जिन्होंने प्रस्तुत लघुशोध-प्रबंध पूरा करने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मेरी सहायता की है।

RSAvaghade
22/1/04
अवघडे रेखा सहदेव

स्थान : कोल्हापूर

तिथि : 22/1/04